



## इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

आपको सार्वजनिक व्याख्यान में सादर आमन्त्रित करता है।

व्याख्याता

श्री के० के० मुहम्मद

(भूतपूर्व क्षेत्रीय निदेशक)

भारतीय पुरात्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली

विषय: उत्तर प्रदेश एवं बिहार में बौद्धिक विरासत  
का उत्खनन एवं संरक्षण

दिनांक : शुक्रवार 4 जुलाई, 2014

समय : सायं 5.00 बजे

स्थान : इं०गा०रा० क० केन्द्र ओडिटोरियम, सी० वी० मैस,  
जनपथ, नई दिल्ली-110001

उत्तरापेक्षी 011-23388077

मेट्रो स्टेशन के नजदीकी,  
केंद्रीय सचिवालय, गेट नं०-2

प्रवेश एवं पार्किंग नि:शुल्क



## Indira Gandhi National Centre for the Arts

Cordilly invites you to a public lecture on

Excavation and Conservation of  
Buddhist Heritage in  
UP and Bihar

by

**Shri K. K. Muhammed**

Former Regional Director

Archaeological Survey of India, New Delhi

**Date** : Friday, 4 July 2014

**Time** : 5:00 p.m.

**Venue** : Auditorium IGNC, C.V. Mess, Janpath  
New Delhi-110001

RSVP: 23388077

Nearest Metro Station:  
Central Secretariat, Gate No. 2

Entry & Parking Free

## वक्ता एवं विषय के संबंध में

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के क्षेत्रीय निदेशक पद पर कार्य करते हुए श्री के. के. मुहम्मद सेवानिवृत्त हुए। बिहार के केसरिया स्तूप, फतेहपुर सीकरी का इबादत खाना, ईसाई चैपल तथा गोवा के ऑगस्टिन चर्च के उत्खनन का श्रेय आपको प्राप्त है।

प्रायः चंबल घाटी के डकैतों की सहायता से तथा छत्तीसगढ़ के नक्सलवादियों की सहायता से आपने भारत के विभिन्न भागों में अनेक चुनौतीपूर्ण संरक्षण कार्य किए हैं।

इस क्षेत्र में विलक्षण कार्यों के लिए आपको अनेक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में बौद्धकालीन उत्खनन तथा संरक्षण और कुछ नहीं, बल्कि आरम्भिक बौद्धकालीन पुरातत्त्व का सटीक दिग्दर्शन है। वस्तुतः यहीं भगवान् बुद्ध की राजगीर से कुशीनगर तक की आखिरी यात्रा को जाना जा सकता है।

यह यात्रा रुचिकर तथा शिक्षाप्रद होगी क्योंकि यात्रा एक ऐसे व्यक्ति के साथ है, जिन्होंने कुछ बौद्ध स्तूपों का स्वयं उत्खनन किया है तथा नालन्दा, विक्रमशिला, वैशाली, केसरिया एवं सारनाथ आदि के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

शुरुआत में शोधकार्य करने वालों के निराधार प्रश्नों पर भी प्रकाश डाला जायेगा, जो यह कहते हैं कि बुद्ध अफ्रीका के और अशोक लंका के राजा थे।

स्मारकों में निम्नतम आवश्यक हस्तक्षेप का विरोध नहीं। श्री के. के. मुहम्मद साहब उन आरम्भिक लोगों में से हैं, जिन्होंने दृढ़ता एवं साहस के साथ आवश्यक हस्तक्षेप को स्वीकार करते हुए आवश्यक पुनर्निर्माण की नीति स्थापित की। आपका विश्वास है कि न्यूनतम हस्तक्षेप उन लोगों का मन्त्र है जो संरक्षण की शिक्षा और उपदेश तो देते हैं किन्तु व्यवहार में नहीं लाते।

## About the speaker and subject

K.K. Muhammed who retired from the Archaeological Survey of India as Regional Director has to his credit the excavation of Kesariya stupa in Bihar, Ibadat khana and Christian Chapel in Fatehpur Sikri and St. Augustin Church in Goa. He has undertaken a number of challenging Conversations in different parts of the country often taking the help of dacoits in Chambal valley and Naxal groups of Chathisgarh. For his outstanding works in the field of conservation, he has been awarded with a number of International, National and State awards.

Excavation and conservation of Buddhist heritage in UP and Bihar is nothing but a power point presentation of Archaeology of early Budhhist period where one can virtually follow Lord Buddha on his last journey from Rajgir to Kushinagar. This journey would be interesting and informative as it is with someone who has excavated some of the Buddhist stupas and played a prominent part in the conservation of many sites such as Nalanda, Vikram Shila, Kumrahar, Vaishali, Kesariya and Sarnath. The intriguing question of why some of the early researchers mistook Budhha as from Africa and Ashoka as a king of Ceylon would be dealt with.

No follower of "Minimum intervention in Monuments" Mr. Muhammed is one of those early iconoclasts who broke away with it and boldly initiated the policy of "Required Restoration". He believes Minimum Intervention is the Mantra of those who preach and teach conservation but doesn't breath and practice it.

## Indira Gandhi National Centre for the Arts

Follow us on website: [www.ignca.gov.in](http://www.ignca.gov.in);

Email: [info.seminar2013@gmail.com](mailto:info.seminar2013@gmail.com);

Facebook: [www.facebook.com/IGNCA](http://www.facebook.com/IGNCA); Twitter: @ignca

RSVP: +91-11-23388077



Invitation

## Excavation and Conservation of Buddhist Heritage in UP and Bihar



इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र  
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS